आयरिस कवि सीमस हीनी नोबल पुरस्कार पा चुके हैं। उनकी कविताओं की दुनिया बीहड़ किन्तु आवेगपूर्ण है। 'द स्कूल बैग' कविता उन्होंने अपने मित्र जॉन हेविट की स्मृति में लिखी थी। स्कूली बस्ता सिर्फ बोझ ही नहीं होता, बच्चे का उससे भावात्मक रिश्ता भी होता है जो स्मृतियों में बस जाता है।

बस्ता

❑ **सीमस हीनी**

अनुवाद - प्रेमरंजन अनिमेष

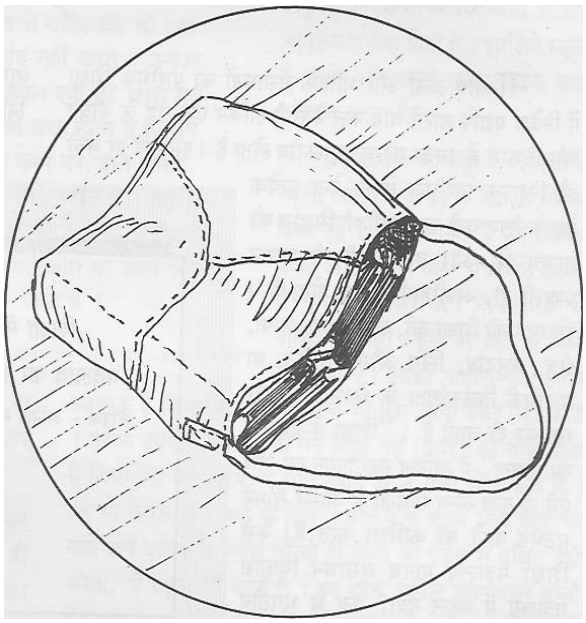

मेरा हाथ सिला चमड़े का स्कूल बैग । चालीस साल।
कवि, तुम इट्टी पिट्टी सिट्टी थे
जब मैंने इसे संभाला, नीली लाइनों वाली रफ
कॉपियों से अधमरा,
और देखे कक्षा के चार्ट, दर्शाये गये बकले
दीवाल पर मानचित्र जहाजी गलियारों की शिराओं वाला
जताता नीले उत्तरी मार्ग जलमार्ग के आर-पार, चहल-पहल
और स्कूल जाने वाली सड़क के बीच
बेलंखी जंगली सफेद और पीले फूल
सीखा हुआ सहज वहन होता है ! बस्ता हल्का है,
रगड़ाया और नम्य ओर जो खाली नहीं किया जा सकता
किसी घुमंतू स्कूल-जादूगर के टोप की तरह
तो इसे लो, शब्दों के जखीरे या
पहले उपहार की तरह
जब तुम बाहर कदम बढ़ाओ रूको और पीछे मुड़कर देखो
एकदम से
उस बच्चे की तरह जो पहली बार माँ-पिता को छोड़ रहा हो। ◆